सिंधु घाटी सभ्यता में नारियों का विश्लेषणात्मक विवेचन

रोहन नारायण
शोध छात्र
मिनर्वा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
देहरादून, उत्तराखंड

डॉ ओम प्रकाश मिश्रा
प्रधानाचाय
मनर्वा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
देहरादून, उत्तराखंड
ईमेलः *mishraop200@gmail.com*

Reference to this paper should be made as follows:

रोहन नारायण
डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा

सिंधु घाटी सभ्यता में नारियों का विश्लेषणात्मक विवेचन

Artistic Narration
July-Dec. 2024,
Vol. XV, No. 2
Article No. 31
pp. 186-189

Online available at:
https://anubooks.com/journal-volume/artistic-narration-dec-2024-vol-xv-no2

सारांश

सिंधु घाटी सभ्यता एक पुरानी सभ्यता है। जिसका समय 3300 से 2300 ईसा पूर्व के बीच बताया जाता है। यह सभ्यता भारत और पाकिस्तान में फैली हुई थी। यह सभ्यता कला का एक प्रमुख केंद्र थी। इसमे मूर्तियां बनाई गई और मोहरे बनाई गई थी। इस सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी कहते हैं यह सबसे पुरानी सभ्यता है यहा के लोग व्यापारी वह कांस्ययुगीन थे। इस सभ्यता में चीनी मिट्टी के बर्तन, पशु आकृतियां, मानव आकृतियां और मोहरे आदि बनाई गई थी। इसमें नारियों की आकृतियां भी बनाई गई थी जैसे मात्री देवी, यक्षिणी और नृतकी आदि। इसी सभ्यता में मानव ने पक्के मकान भी बनाए थे।

मुख्य बिंदु

कला, संस्कृति, रेखांकन विकास, धार्मिकता।

प्रस्तावना

सिंधु घाटी सभ्यता में नारियों की कई आकृतियां बनाई गई है जैसे मातृदेवी, यक्षिणी और नृतकी।

मातृदेवी (टेराकोटा)

मातृदेवी की मूर्ति जिसकी सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे उन्हें सिंधु माता कहकर पुकारते थे क्योंकि माता की मूर्ति के पेट से एक पौधा निकलता हुआ दिखाई देता है इसलिए सिंधु सभ्यता के लोग माता को संसार का विकास मानते थे। यह मूर्ति टेराकोटा में बनी है। यह मूर्ति मोहनजादड़ो से प्राप्त हुई थी। आज यह मूर्ति राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में स्थित है इस मातृदेवी मूर्ति ने यिंधु सभ्यता के लोगो को धार्मिकता सिखाई है। इस मूर्ति में एक महिला बनाई गई है जो गर्भवती है, महिला के ऊपर एक मुकुट भी है। मूर्ति की ऊंचाई लगभग 17.5 सेंटीमीटर है। यह मूर्ति सिंधु सभ्यता के लोगो को धार्मिकता दर्शाती है और व्यापार आदान–प्रदान को दर्शाती है। यह मूर्ति भारत की प्राचीन कला और सस्कृति को दर्शाती है।

इस मूर्ति में मात्र देवी को तीन हार पहनाऐ गये है सभी आभूषणों को लगाने के बाद आगे की ओर निकला चेहरा अलग से बनाया जाता था और शरीर से जोड़ा जाता था यह हड़प्पा में पाई गई सबसे बड़ी महिला मूर्तियों में से एक है और इसमें सर के दोनों तरफ पंखे के आकार का हेड ड्रेस होता था।

सिंधु सभ्यता के समय के शंकु जो अक्षर मूर्तियों के सिर पर बनाया करते हैं वह छोटे सोने के शंकु की प्रतिकृति हो सकते हैं जो सिंधु सभ्यता में पाए गए हैं।

नर्तकी की मूर्ति जो मोहनजोदड़ो में पाई गई थी। यह नर्तकी की मूर्ति सर्वश्रेष्ठ मूर्तियो में मानी जाती है इसमें नर्तकी नृत्य के बाद आराम करते हुए दिखाई गई है यह बहुत ही छोटी मूर्ति है यह 2500 ईसा पूर्व में स्थित है यह मूर्ति भारत के नेशनल म्यूजियम में स्थित है यह मूर्ति 10.5 सेमी ऊंची है यह तांबे की बनी हुई है इस मूर्ति में लड़की के पैरो में घुंघरू है, एक हाथ में एक वस्त्र है और एक हाथ कमर पर रखा हुआ है, इसमें महिला के हाथ में चुड़ियां है, महिला के गले मे एक माला भी है। यह मूर्ति सिंधु सभ्यता के लोगो में धार्मिकता और सस्कृति को दर्शाती है। यह मूर्ति सस्कृति आदान–प्रदान को दर्शाती है। यह मूर्ति सिंधु सभ्यता की एक महत्वपूर्ण मूर्ति है जो भारत की प्राचीन कला और सस्कृति को दर्शाती है। यह मूर्ति लोगो के जीवन को दर्शाती है।

अधिकांश मूर्तियां टेराकोटा से बनी थी कुछ कांस्य मूर्तियां भी मिली है जिनमें आभूषण पहने हुए बांए हाथ में कटोरा लिए जैसी कोई वस्तु पकड़े हुए महिलाओं को दिखाया गया था बाल बंध हुए थे जो गर्दन के पीछे नीचे की ओर लटके हुए थे, लंबी बादाम के जैसी आंखों के निशान दिखाई दे रहे थे कहीं चूड़ियां ऊपरी बाए हाथ पर सजी हुई थी कुछ चूड़ियां दाहिनी कोहनी पर थी।

सिंधु सभ्यता के लोग पत्थरों के औजार तथा उपकरण प्रयोग करते थे। तांबे तथा टिन मिलाकर धातु शिल्पी कांस्य का निर्माण करते थे। सिंधु सभ्यता के लोग सूती कपड़े भी बनाते थे इन्होने नाव का निर्माण किया। यह मुद्रा निर्माण, मूर्ति, निर्माण के साथ बर्तन भी बनाते थे जिन पर यह कलाकृति करते थे।

निष्कर्ष

इन नारियों की कलाकृतियों के अध्ययन से हमें पता चलता है कि सिंधु सभ्यता के लोग नारियों को कितना सम्मान देते थे और ये मूर्तियां हमें सिंधु सभ्यता की कला, सस्कृति और जीवन के बारे में जानकारी देती हैं।

संदर्भ

1. https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%81_%E0%A4%98%E0%A4%BE%E0%A4%9F%E0%A5%80_%E0%A4%B8%E0%A4%AD%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%A4%E0%A4%BE
2. भारतीय चित्रकला का इतिहास
3. क्रिएटिव माइंड